an>

Title: Distribution of automatic reeling machine to women workers in the country.

श्री अश्विनी कुमार चौबे (बक्सर) : महोदय, मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। मैं सदन में एक बड़ा ही महत्वपूर्ण विषय आपके सामने लाना चाहता हूं। सरकार, विशेषकर श्री नरेन्द्र मोदी जी, जो भारत के प्रधान मंत्री हैं, पहली बार हिन्दुस्तान के अंदर उन लाखों गरीब बुनकर माताओं-बहनों पर, जो अपनी जंघा पर धागा काटती थीं, जिसके कारण उनके शरीर पर घाव हो जाता था, उस पर उनका ध्यान गया।

यहां वस्त्र मंत्रालय की मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी जी बैठी हैं। उन्होंने कल पहली बार उन पीड़ित महिलाओं के लिए तसर बुनियाद रीलिंग मशीन का वितरण किया। इसे हमारे देश के सिल्क बोर्ड के वैज्ञानिकों ने शोध कर तैयार कराया है। उक्त प्रस्ताव को वर्ष 2014 में मैंने ही सेंट्रल सिल्क बोर्ड की बैठक में रखा था। मैं अपने गांव दरियापुर, भागलपुर में फजलू चाचा की पत्नी को देखता था कि सिल्क धागा अपनी जंघा पर काटने के कारण उन्हें किस प्रकार का घाव होता था। उसी समय, मेरा ध्यान इस पर गया और पार्लियामेंट में आने के बाद मैंने वह प्रस्ताव उक्त बोर्ड में रखा। हमारी सरकार और हमारे मंत्री जी ने पूरे देश में तसर ऑटोमैटिक रीलिंग मशीन और छोटे-छोटे तसर बुनियाद मशीनों को देने का काम किया है। वर्ष 2020 तक इसे जंघा पर सूत काटने से उन्मुक्त करने का संकल्प लिया है।

कल 'अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस' पर गरीबों के कल्याण का एक बहुत ही शानदार कार्यक्रम हुआ। मैं प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और अपने वस्त्र मंत्री श्रीमती स्मृति जी एवं उन वैज्ञानिकों को पूरे देश की जनता की ओर से, विशेÂषकर उन माताओं और बहनों की ओर से बहुत-बहुत साधुवाद और धन्यवाद देता हूं।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri Bhairon Prasad Mishra,

Kunwar Pushpendra Singh Chandel and

Shri Sharad Tripathi are permitted to associate with the issue raised by Shri Ashwini Kumar Choubey.